प्रश्न-1. ''आसियान (ASEAN) के साथ भारत के संबंध न केवल सांस्कृतिक, बल्कि भू-राजनीतिक, आर्थिक व सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।'' टिप्पणी कीजिये। (10 अंक,150 शब्द)

India's realtionship with ASEAN is important not only culturally but also geo-politically, economically and strategically. Comment. (10 Marks, 150 Words)

मॉडल उत्तर

दृष्टिकोण:
- भूमिका में 'आसियान' को समझाऐं।
- अगले पैरा में सांस्कृतिक, भू-राजनीतिक, आर्थिक व सामरिक महत्व को स्पष्ट कीजिए।
- अंत में संतुलित निष्कर्ष दें।

आसियान (ASEAN) 10 देशों का एक राजनैतिक, आर्थिक ब्लॉग है। जिसकी स्थापना 1967 में बैंकॉक संधि के तहत हुई थी। भारत का इन देशों के साथ ऐतिहासिक सांस्कृतिक, भौगोलिक और व्यापारिक जुड़ाव रहा है।

- भारत ने आसियान में कई सांस्कृतिक इमारतों का संरक्षण किया है जिसमें म्यांमार का आनंद मंदिर, अंकोरवाट (कंबोडिया), बोरोबुदुर (इंडोनेशिया), ता प्रहोम (कम्बोडिया), चंप मंदिर (वियतनाम) आदि शामिल है। इन मंदिरों के संरक्षण के लिये भारत की पुरातात्विक सर्वेक्षण विभाग प्रयासरत है।
- भारत-आसियान दोनों क्षेत्र एक-दूसरे का सामरिक सहयोग कर रहे हैं। भारत इसमें कई देशों के साथ सैन्य अभ्यास कर रहा है। जैसे-
  - इंडोनेशिया-गरूड़ शक्ति
  - थाइलैण्ड-मैत्री
- सैन्य अभ्यास के अतिरिक्त भारत इनमें से कुछ देशों के साथ रणनीतिक भागीदार भी बन चुका है और उन देशों को हथियारों की आपूर्ति की जा रही है।
- भारत-आसियान संबंधों का भू-राजनीतिक एवं सामरिक महत्व भी है। दक्षिण चीन सागर में नौसंचालन की स्वतंत्रता बनाए रखने, नशीले पदार्थों की तस्करी, आतंकवाद, साइबर अपराध आदि की रोकथाम तथा चीन की आक्रमण नीति का संतुलित करने के लिये आसियान महत्वपूर्ण है।
- भारत आसियान का प्रमुख आर्थिक भागीदार देश है एवं भारत तथा आसियान मिलकर विश्व का एक महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्र निर्मित करते हैं। भारत अपने निवल व्यापार का लगभग 10 प्रतिशत आसियान के साथ करता है।
  - दोनों देशों ने 20 प्रतिशत में मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए जिससे दोनों के मध्य व्यापार और बढ़ गया।
  - संचार व्यापार का बढ़ाया जाना
  - कलादान मल्टी मॉडल के माध्यम से व्यापार
  - मेकांक-गंगा इकॉनोमिक कोरीडोर

नोट-
- प्रश्नानुसार उत्तर के सभी बिन्दुओं को समाहित किया गया है, निर्धारित शब्द सीमा में व्यवस्थित कर विश्लेषण कर सकते हैं।

प्रश्न-2. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की दौड़ में भारत के समक्ष आने वाली कौन-कौन सी बाधाऐं हैं? चर्चा कीजिए। **(10 अंक, 150 शब्द)**

What are the challenges in front of India in the race of Permanent Mem bership in the United Nations Security Council.Discuss.(10 Marks , 150 Words)

मॉडल उत्तर

दृष्टिकोण:

- भूमिका में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थिति को बताइए।
- अगले पैरा में भारत के समक्ष आने वाली प्रमुख चुनौतियों/बाधाओं को बताइए।
- अंत में संतुलित निष्कर्ष दें।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संयुक्त राष्ट्र का एक महत्वपूर्ण अंग है जिसे विश्व के पुलिसमैन की संज्ञा दी जाती है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र देश है और वैश्विक स्तर पर लोकतंत्र को बढ़ाने में सहयोग करता रहा है। भारत ने जलवायु परिवर्तन विश्व व्यापार संगठन, अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा आदि के जरिए विश्व को अपनी नेतृत्व क्षमता से परिचित करवाया है अत: इससे स्थायी सदस्यता का दावा और अधिक मजबूत हो जाता है। भारत के स्थायी सदस्य के दावे को वैश्विक समर्थन भी मिला है, वहीं फ्रांस पूरी तरह से भारत के साथ है।

⇨ भारत के दावे के सामने चुनौतियां/बाध्यताएं-

- सभी स्थायी सदस्यों का एकमत न होना।
- सुधार के लिए लाये गये विकल्पों का अधिक होना।
- कोफी अन्नान समूह के सदस्य देशों का भारत के खिलाफ खड़े होना।
- भारत के सामने एक बड़ी चुनौती वीटो वाली सदस्यता का लंबा इंतजार करना है।
- भारत को G-4 (ब्राजील, जर्मनी, जापान आदि) देशों के साथ सामूहिक मांग करनी चाहिए, साथ ही साथ अपने स्तर पर अधिक प्रयास करना चाहिए।
- भारत के समक्ष एक प्रमुख चुनौती यह भी है कि वो वीटो ताकत का समर्थन करे या फिर अन्य सभी सदस्य देशों से वीटो शक्ति समाप्त करने की मांग करें।
- सबसे बड़ी चुनौती दोनों संगठनों, UNGA और UNGC से प्रस्ताव को अलग-अलग पास कराने की है।

नोट-

- प्रश्नानुसार उत्तर के सभी बिन्दुओं को समाहित किया गया है, निर्धारित शब्द सीमा में व्यवस्थित कर विश्लेषण कर सकते हैं।

प्रश्न-3.हाल ही के वर्षों में प्राय: देखा गया है कि अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय (ICC: International Criminal Court) की प्रतिष्ठा में गिरावट आयी है और कुछ देशों ने इसकी सदस्यता त्याग दी है। वे कौन से बिन्दु हैं जिन्होंने न्यायालय को कमजोर बना दिया है तथा किस प्रकार इसकी स्थिति को सुधारा जा सकता है? **(15 अंक, 250 शब्द)**

It has been seen in the recent years that there has been fall in the reputation of International Criminal Court (ICC) and some countries has left its membership. What are the points which has made the court weak and how can its condition be strengthened. **(15 Marks , 250 Words)**

मॉडल उत्तर

दृष्टिकोण:

- भूमिका में अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय के बारे में चर्चा करें।
- अगले पैरा में इस न्यायालय को कमजोर करने वाले प्रमुख बिन्दुओं को स्पष्ट करें।
- फिर अगले पैरा में बतायें कि इसकी स्थिति को किस प्रकार सुधारा जा सकता है?
- अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय (ICC) की स्थापना रोम कनवेंशन में की गई थी। यह विश्व की शीर्ष वैधानिक संस्था है, जो हेग (नीदरलैण्ड) में स्थित है। इसके पास नरसंहार, मानवता के विरूद्ध अपराधों तथा युद्ध अपराधों के मामले में अभियोग चलाने का स्थायी अंतर्राष्ट्रीय न्यायाधिकार है।

⇨ इसे कमजोर करने वाले प्रमुख बिंदु-

- अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय (ICC) का अमेरिका, रूस, चीन और इजरायल जैसे शक्तिशाली देशों पर न्यायाधिकार नहीं है, जो इसे कमजोर सिद्ध करता है।
- इन सदस्यों को ICC के मामले में बीटो शक्ति प्राप्त होने से इनका अधिदेश संकीर्ण है एवं यह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों द्वारा अधिकारों के उल्लंघन की जाँच नहीं करता।

⇨ किस प्रकार इसकी स्थिति को सुधारा जा सकता है?

- इसकी कार्यशैली/कार्ययोजना से अधिक स्पष्टता आनी चाहिए तथा फंडिंग की उपयुक्त प्रणाली विकसित करनी चाहिए।
- ICC में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों को प्राप्त वीटो शक्ति को समाप्त कर सभी राष्ट्रों को एक धरातल पर रखना चाहिए।
- पारदर्शिता, जवाबदेहिता एवं जाँच तथा अभियोजन के सुदृढ़ीकरण के माध्यम से ICC की क्षमता में सुधार करना चाहिए।
- पीड़ितों की भागेदारी तथा उनका प्रभावी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना चाहिए।

नोट-

- प्रश्नानुसार उत्तर के सभी बिन्दुओं को समाहित किया गया है, निर्धारित शब्द सीमा में व्यवस्थित कर विश्लेषण कर सकते हैं।

प्रश्न-4.संयुक्त राष्ट्र संघ की महत्वपूर्ण शाखा आर्थिक और सामाजिक परिषद (EcoSoC) क्या है? इसके कार्यों को समझाते हुए विभिन्न प्रकार्यात्मक आयोगों को स्पष्ट करें। **(15 अंक, 250 शब्द)**

What is Economic and Social Council (EcoSoC) the principal organ of United Nations? Describing its functions explain the different functional Commissions. **(15 Marks , 250 Words)**

मॉडल उत्तर

दृष्टिकोण:

- भूमिका में आर्थिक और सामाजिक परिषद (EcoSoC) को बताइए।
- अगले पैरा में इसके कार्यों को बताइए।
- फिर अगले पैरा में इसके प्रकार्यात्मक विभागों को बताइए।
- अंत में संतुलित निष्कर्ष दीजिए।

आर्थिक और सामाजिक परिषद इस संकल्पना पर आधारित है कि अंतर्राष्ट्रीय शांति सैन्य अभियानों, राजनीतिक विवादों के जरिए हासिल नहीं हो सकती। इसके लिए सामाजिक-आर्थिक विकास जरूरी है। इसके अनुसार विश्व में शांति को बनाने रखने का एकमात्र हल राजनीतिक नहीं है। इसकी स्थापना 1945 में की गई थी। प्रारंभ में 18 सदस्य होते थे, लेकिन वर्तमान में सदस्य संख्या बढ़कर 54 हो गई है।

⇨ कार्य

EcoSoC, UN का महत्वपूर्ण अंग है जो निम्न कार्य करता है।

- आर्थिक और सामाजिक मामलों के संबंध में केन्द्रीय मंच का कार्य करना।
- जीवन स्तर की गुणवत्ता, रोजगार वृद्धि और सामाजिक-आर्थिक वृद्धि को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना।
- अपने क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले देशों के लिए आर्थिक, सामाजिक नीतियां बनाना तथा उन्हें महासभा के समक्ष प्रस्तुत करना।
- सभी सदस्य राष्ट्रों के मध्य सामाजिक रूप से समन्वय स्थापित करना।

⇨ प्रकार्यात्मक आयोग

आर्थिक और सामाजिक परिषद के लिए प्रकार्यात्मक आयोग होते हैं, जो नीति निर्धारित करते हैं जैसे-

- सांख्यिकीय आयोग
- जनसंख्या और विकास आयोग
- सामाजिक विकास आयोग
- मानवाधिकार आयोग
- मादक पदार्थ आयोग
- अपराध नियंत्रण एवं अपराध न्याय आयोग
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विकास आयोग

नोट-

- प्रश्नानुसार उत्तर के सभी बिन्दुओं को समाहित किया गया है, निर्धारित शब्द सीमा में व्यवस्थित कर विश्लेषण कर सकते हैं।